

8

A Pact With the Sun

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Saeeda's mother has not received proper medical treatment for her complaints.

She is denied healthy food, sunshine and fresh air.

At last, she consults a good physician who gives her effective medicine and sound advice.

सईदा की मां को उसकी बीमारियों के लिए उचित चिकित्सा उपचार नहीं मिला है।

उसे स्वस्थ भोजन, धूप और ताजी हवा से वंचित किया जाता है।

अंत में, वह एक अच्छे चिकित्सक से परामर्श करती है जो उसे प्रभावी दवा और उचित सलाह देता है।

SAEEDA'S mother had been ailing for a long time — fever, cough, body-ache, painful joints and what not. Treated by a variety of physicians for weeks, she often showed signs of improvement but soon relapsed into her old, sick self, one complaint substituted by another. Though weak and colourless, she was forbidden normal food and was under strict orders to remain perpetually confined to her small, dingy room with doors and windows fastened, deprived of sunshine and fresh air.

सईदा की मां लंबे समय से बीमार थी— बुखार, खांसी, शरीर में दर्द, जोड़ों का दर्द और क्या नहीं। अनेक सप्ताह तक विभिन्न चिकित्सकों द्वारा इलाज किया गया, वह अक्सर सुधार के लक्षण दिखाती लेकिन जल्द ही पहले की तरह फिर से बीमार दिखने लगती, एक बीमारी का स्थान दूसरी बीमारी ले लेती। हालांकि वह कमजोर और रंगहीन थीं, उन्हें सामान्य भोजन मना किया गया था और उन्हें छोटे, गंदे कमरे जिसके दरवाजे और खिड़कियां बंद रहते थे तक ही सीमित रहने, धूप और ताजी हवा से वंचित रखने के सख्त आदेशों के तहत रखा गया था।

When she became critical, her relatives and neighbours persuaded her to consult a specialist even though his fee was likely to be high. Life is more precious than money, they said. Saeeda's mother was poor but she heeded their advice and sold a few trinkets to pay the doctor's fee and the cost of medicine.

जब वह गंभीर बीमार हो गई, उसके रिश्तेदारों और पड़ोसियों ने उसे एक विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए राजी किया, भले ही उसकी फीस ज्यादा होने की संभावना थी। उन्होंने कहा जीवन, पैसे से अधिक कीमती है, सईदा की मां गरीब थी लेकिन उसने उनकी सलाह पर ध्यान दिया और डॉक्टर की फीस का भुगतान करने और दवा की लागत के लिए कुछ खिलौने बेचे।

The doctor came in a few days and examined her and prescribed effective but costly medicine. To the question as to what she should eat he said, "Anything you wish to eat — chapati, vegetables, milk, fruits, etc. In addition to all this," he added emphatically, "leave this dark hovel and occupy a bigger room with doors and windows open. Sit in the sun every morning from eight to nine. Sunshine and fresh air," he concluded, "are more important than medicine."

डॉक्टर ने कुछ दिनों में आकर उसकी जांच की और प्रभावी लेकिन महंगी दवा लिखी। इस सवाल पर कि उसे क्या खाना चाहिए उसने कहा, 'कुछ भी जो तुम्हें खाने की इच्छा हो—रोटी, सब्जी, दूध, फल आदि। इस सब के अलावा, 'उन्होंने जोर देकर कहा, 'इस अंधेरी झोपड़ी को

8

A Pact With the Sun

Supplementary

(English to Hindi Translation)

छोड़ दें और एक बड़े कमरे में रहें जिसके दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। हर सुबह आठ से नौ बजे तक धूप में बैठो। उसने अंत में कहा, धूप और ताजी हवा, 'दवा से अधिक महत्वपूर्ण हैं।'

The doctor and his advice became a subject of noisy commentary among all present. Some favoured while others opposed it. Exposure to sun and air for someone afflicted with chronic cough was dangerous, an experienced lady declared. A younger neighbour nearly quarrelled with her over this. Too exhausted to participate in the debate, Saeeda's mother remained quiet but determined to follow the doctor's advice. "Forget the consequences," she said at last. "I'll carry out his instructions to the letter. Move my bed into the next room and let me sit in the sun on my charpoy for an hour daily."

डॉक्टर और उनकी सलाह उपस्थित सभी के बीच शोरगुल भरी बातचीत का विषय बन गया। कुछ ने पक्ष लिया जबकि अन्य ने इसका विरोध किया। एक अनुभवी महिला ने घोषणा की, पुरानी खांसी से पीड़ित किसी के लिए सूर्य और हवा खतरनाक थी। एक युवा पड़ोसी ने इस बात को लेकर उसके साथ लगभग झगड़ा किया। इस बहस में भाग लेने से परेशान, सईदा की मां चुप रही लेकिन उसने डॉक्टर की सलाह का पालन करने की ठानी। उसने अंत में कहा, 'परिणामों को भूल जाओ। मैं उनके निर्देशों का अक्षरशः पालन करूंगी। मेरे बिस्तर को अगले कमरे में ले जाएँ और मुझे मेरी चारपाई पर प्रतिदिन एक घंटे के लिए धूप में बैठने दो।'

The sky remains overcast with clouds for a few days.

Saeeda makes a special request to the sunrays to help her mother get well.

The sunrays keep their word, come down in large numbers and give new life to Saeeda's mother.

कुछ दिनों तक आसमान पूरी तरह बादलों से घिरा रहता है।

सईदा अपनी मां को ठीक करने में सहायता के लिए सूर्य की किरणों से एक विशेष अनुरोध करती है।

सूर्य की किरणें उसकी प्रार्थना सुन लेती हैं, बड़ी संख्या में नीचे आती हैं और सईदा की मां को नया जीवन देती हैं।

It so happened that the sky remained overcast next morning. The same was the case the following day. Saeeda's mother was dejected. She muttered, "O Lord of mine, why have you ordered the sun to remain hidden? How will I ever be cured?"

ऐसा हुआ कि अगली सुबह आसमान में बादल छा गए। अगले दिन भी यही स्थिति रही। सईदा की मां मायूस थी। उसने कहा, 'हे प्रभु, तुमने सूर्य को छिपा रहने का आदेश क्यों दिया है? मैं कभी कैसे ठीक हो पाऊंगी?'

8

A Pact With the Sun

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Saeeda was playing with her doll nearby and she heard her mother's lament but kept calm. Later in the afternoon, when she stumbled on a spot of pale sunshine in the courtyard, she ran to her mother to say the sun was there. "No, no", said everybody present. "It's too late and chilly. Your mother can't sit out there." Disheartened, Saeeda returned to her doll. There was no sun really except for its last remnant entangled in the top branches of the family mango tree.

सईदा पास ही में अपनी गुड़िया के साथ खेल रही थी और उसने अपनी माँ का विलाप सुना लेकिन शांत रही। दोपहर बाद, जब उसने आंगन में पीली धूप के एक स्थान पर ठोकर खाई, तो वह अपनी माँ के पास कहने के लिए भागी की वहाँ धूप थी। उपस्थित सभी ने कहा, 'नहीं, नहीं'। 'अब बहुत देर हो चुकी है और ठंड है। तुम्हारी माँ वहाँ नहीं बैठ सकती। निराश होकर सईदा अपनी गुड़िया के पास लौटी गई। वहाँ वास्तव में सूरज नहीं था सिवाय परिवार के आम के पेड़ की शीर्ष शाखाओं में उलझे हुए अंतिम अवशेष के।

Now, children have at their command a secret language, foreign to grown-ups altogether, in which they fluently communicate with trees, flowers, animals, the sun and the moon, perhaps even with the Almighty. Using that special language, Saeeda addressed her remark to the last departing ray of the sun. "Dearest sister, do come tomorrow with lots of warmth and brightness. You see, my mother is ill and needs your help."

अब, बच्चों के पास एक गुप्त भाषा होती है, दूसरों से लेकर बड़ों तक, जिसमें वे पेड़ों, फूलों, जानवरों, सूरज और चंद्रमा, शायद सर्वशक्तिमान के साथ भी धाराप्रवाह रूप में संवाद कर सकते हैं। उस विशेष भाषा का उपयोग करके, सईदा ने सूर्य की जाती हुई अंतिम किरण से अपनी बात कही। 'सबसे प्यारी बहन, कल बहुत सारी गर्मी और चमक के साथ आना। तुम देखो, मेरी माँ बीमार है और उन्हें आपकी मदद की जरूरत है।

"Surely," answered the light, "don't look unhappy. We'll be here at the fixed hour."

प्रकाश ने जवाब दिया, 'निश्चित रूप से,' 'दुखी मत हो। हम तय समय पर यहाँ होंगी।

Next day, early in the morning, when the sprightly sunrays embellished themselves for their journey down to earth, the sun said, "It's our day off again. We're staying up here. The road to earth is blocked by an army of thick, mucky clouds." The little rays so much wanted to go down for a lark but they remained quiet. One of them, though, who had made a pact with little Saeeda said, "Sir, I can't stay back. I've given my word to Saeeda whose mother is ill and needs our help. I'll pierce through the clouds to reach Saeeda's courtyard. How else will her mother be cured?" Hearing this, all the rays nearly staged a revolt against their father, the sun. "Fancy staying back again," they said in a single voice. "What will the people of the earth say about us? That we of the heavens have turned liars?"

अगले दिन, सुबह जल्दी, जब सूर्य की चमकदार किरणों ने नीचे पृथ्वी पर जाने की अपनी यात्रा के लिए खुद को तैयार किया, तो सूरज ने कहा, 'आज फिर से हमारा अवकाश है। हम यहीं रहेंगे। पृथ्वी के मार्ग को मोटे, मैले बादलों की एक सेना ने अवरुद्ध कर रखा है। 'छोटी किरणें नीचे

8

A Pact With the Sun

Supplementary

(English to Hindi Translation)

जाकर क्रीड़ा करने के लिए बहुत उतावली थीं लेकिन वे चुप रहीं। हालांकि, उनमें से एक, जिसने छोटी सईदा के साथ एक समझौता किया था ने कहा, 'सर, मैं पीछे नहीं रह सकती। मैंने सईदा को वचन दिया है, जिसकी मां बीमार है और जिसे हमारी मदद की जरूरत है। मैं बादलों के बीच से छेद करके सईदा के आंगन तक पहुंच जाऊंगी। उसकी मां और कैसे ठीक हो जाएगी? 'यह सुनकर सभी किरणों ने अपने पिता सूर्य के खिलाफ लगभग विद्रोह का प्रदर्शन किया। उन्होंने एक साथ कहा, 'फिर से पीछे रुकना पसंद है।' 'पृथ्वी के लोग हमारे बारे में क्या कहेंगे? कि हम स्वर्ग के लोग झूठे हो गए हैं?'

The sun relented. "Please yourselves," he said. "Mind your clothes, though. The clouds are mucky."

सूरज नरम हो गया। उन्होंने कहा, 'अपनी इच्छानुसार करो। 'हालांकि, अपने कपड़ों का ध्यान रखना। बादल मैले हैं।'

"Never mind our clothes. We can always change. But go we must." And the rays rushed towards the earth. The clouds stood guard between them and Saeeda's courtyard. The little rays focussed their heat — and they had enough of it — on a battalion of clouds, which had to flee from its post. The rays got through, shooting past the bewildered clouds. They were already late.

'हमारे कपड़ों की चिंता मत करो। हम हमेशा बदल सकती हैं। लेकिन हमें जाना चाहिए।' और किरणें पृथ्वी की ओर भागीं। बादल उनके और सईदा के आंगन के बीच पहरदार खड़ा था। छोटी किरणों ने अपनी गर्मी को केंद्रित किया—और उनके पास बादलों की एक बटालियन के लिए ये पर्याप्त थीं—जिसे अपनी जगह से भागना पड़ा। किरणें, संभ्रांत बादलों को भेदती हुई पार निकल गईं। उन्हें पहले से ही देर हो चुकी थी।

Saeeda saw the whole host of them approaching and her heart leapt with joy. She shouted, "Amma, Amma! The sun is here. Come out." The old lady's eyes welled up with tears of gratitude. Her charpoy was placed in the courtyard and she sat on it for an hour reclining against bolsters. It had been months since she had felt the sun on her hands and face and breathed in fresh air. She thought she was in a new world. Though pale, her face glowed and her eyes shone bright. She saw her child too bathed in sunlight and kissed her. The morning air brought in a new fragrance from nearby flowers. The birds chanted a new tune. Saeeda's mother felt better already.

सईदा ने उन सभी को नीचे आते हुए देखा और उसका दिल खुशी के साथ उछल पड़ा। वह चिल्लाई, 'अम्मा, अम्मा! यहाँ सूरज है। बाहर आओ।' बूढ़ी औरत की आंखें आभार के आंसुओं के साथ भर गईं। उसकी चारपाई को आंगन में रखा गया और वह तकियों के सहारे एक घंटे तक उस पर बैठी। चूंकि सूरज को अपने हाथों और चेहरे पर महसूस किए और ताजी हवा में सांस लिए उन्हें कई महीने हो गए थे। उसने सोचा कि वह एक नई दुनिया में है। हालांकि पीला होने के कारण, उसका चेहरा चमक रहा था और उसकी आंखें तेज चमक रही थीं। उसने अपनी बच्ची को भी धूप में नहाते देखा और उसे चूमा। सुबह की हवा पास के फूलों से एक नई खुशबू लाई। पक्षियों ने एक नई धुन सुनाई। सईदा की मां पहले से ही बेहतर महसूस कर रही थी।

8

A Pact With the Sun

Supplementary

(English to Hindi Translation)

She is fully recovered now, but she still follows the doctor's advice — an hour of sunlight and lungfuls of fresh air every day.

वह अब पूरी तरह से ठीक हो गई है, लेकिन वह अभी भी डॉक्टर की सलाह का अनुपालन करती हैं- हर दिन एक घंटे की धूप और भरपूर ताजी हवा।

ZAKIR HUSAIN

ज़ाकिर हुसैन

[translated from the Urdu and slightly modified]

[उर्दू से अनूदित और थोड़ा संशोधित]

